PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 25 ▸ Mumbai ▸ Friday, 24 July to 30 July 2026 ▸ Weekly ▸ Pages : 8 ▸ Price : 3 Rs.

'विकसित भारत जन आंदोलन बने'

■ पीएम मोदी ने युवाओं को बताया इसकी नींव ■ 'सभी मंत्रालयों की कार्यप्रणाली में बदलाव की जरूरत' ■ नागरिक कल्याण और समग्र शासन पर जोर

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों के समन्वय पर जोर दिया और एक टीम की तरह काम करने का निर्देश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन बनना चाहिए। सभी सुधारों एवं नीतियों के केंद्र में देश का नागरिक होना चाहिए तथा सभी मंत्रालयों को अलग-अलग काम करने की बजाय एक टीम की तरह कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बदलते समय के अनुरूप शासन व्यवस्था को भी विकसित करना होगा। इसके लिए मंत्रालयों और विभागों को कार्यप्रणाली में बदलाव लाना चाहिए। सुधारों का उद्देश्य केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में ठोस बदलाव लाना और विकसित भारत के लक्ष्य को गति देना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था भी लगातार विकसित हो रही है. ऐसे में सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, आधुनिक और जवाबदेह बनाना होगा. उन्होंने सुझाव दिया कि सभी मंत्रालय अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाली नई चुनौतियों और आवश्यकताओं का व्यापक अध्ययन करें, ताकि समय रहते उनके अनुरूप योजनाएं और व्यवस्थाएं तैयार की जा सकें।

पीएम ने कृषि और खेल पर भी चर्चा किए

■ कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए पीएम ने कहा कि पीएम-कुसुम योजना को किसानों द्वारा व्यापक स्तर पर अपनाने से खेती में बड़ा बदलाव आ सकता है। बैठक में खेल क्षेत्र की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों को केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रखकर स्पोर्ट्स टूरिज्म, तकनीक और स्टार्टअप से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही, भारत को भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार होना चाहिए।

देश का युवा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव है

■ प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा राष्ट्रीय आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि देश का युवा इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है और विकसित भारत की मजबूत नींव भी युवा पीढ़ी ही रखेगी। इसलिए युवाओं को राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। बैठक में युवाओं के सामने बढ़ती नशे की समस्या पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केवल सामाजिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय चुनौती है। उन्होंने सुझाव दिया कि विभिन्न मंत्रालय मिलकर ऐसी संस्थागत व्यवस्था तैयार करें, जिससे विभागीय सीमाएं समाप्त हों और युवाओं से जुड़ी योजनाओं, जागरूकता अभियानों तथा पुनर्वास कार्यक्रमों में बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

स्वच्छ ऊर्जा से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

■ कृषि क्षेत्र पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि किसान प्रधानमंत्री कुसुम योजना जैसी पहलों को बड़े पैमाने पर अपनाते हैं, तो इससे खेती की तस्वीर बदल सकती है। उन्होंने आधुनिक तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ कृषि मॉडल को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को अधिक आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। रोजगार और कौशल विकास के विषय पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि दुनिया भर में बदलती कौशल आवश्यकताओं का भी अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कौशल की मांग का व्यापक आकलन करने और उसके अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित करने पर बल दिया, ताकि भारतीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

शासन ने दिए निर्देश

वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के 3.50 लाख शिक्षकों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा

लखनऊ: प्रदेश के 2500 से अधिक वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 3.50 लाख से अधिक शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन ने इसके लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक को यहां के शिक्षकों के चिन्हांकन व रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से फरवरी में राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिए जाने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह कहा था कि वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों का कोई अधिकृत आंकड़ा नहीं है। इसलिए इनके चिन्हांकन के लिए अलग से आदेश जारी किया जाएगा। इस क्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव उमेश चंद्र द्वारा जारी आदेश में कहा है कि वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का सीएम शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के लिए विकसित पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। शिक्षक खुद व अपने आश्रित का पोर्टल पर आधार कार्ड के अनुसार विवरण दर्ज करेंगे। उनके आवेदन का प्रधानाध्यापक-प्रधानाचार्य सत्यापन कर इसको अग्रसारित करेंगे। इसमें वे शिक्षक की नियुक्ति नियमानुसार होने व कार्यरत होने का परीक्षण करेंगे। **(शेष पेज 5 पर)**

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान

छात्रों का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर लीक के खिलाफ छात्र आंदोलन पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस छात्रों का फायदा उठा रहे हैं। उनका उद्देश्य छात्रों के लिए समाधान खोजना नहीं था। बल्कि उनका मकसद राजनीतिक सुर्खियों के लिए हंगामा करना था। प्रधान ने कहा कि छात्र किसी राजनीतिक अभियान में कठपुतली की तरह इस्तेमाल होने से कहीं बेहतर के हकदार हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसद के मानसून सत्र के दौरान व्यवधान पैदा करने के लिए छात्रों का राजनीतिक औजार के रूप में बेशर्मी से इस्तेमाल करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल और कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के आवास के बाहर धरना देने का रास्ता चुना, जिससे जनता को असुविधा हुई और तय सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की गई। सरकार द्वारा व्यापक चर्चा के लिए अपनी तैयारी व्यक्त करने के बाद भी, कांग्रेस ने लोकतांत्रिक बहस के बजाय राजनीतिक तमाशा चुना। **(शेष पेज 5 पर)**

छात्र बेहतर के हकदार

■ उन्होंने कहा कि भारत के छात्र किसी राजनीतिक अभियान में कठपुतली की तरह इस्तेमाल होने से कहीं बेहतर के हकदार हैं। वे अराजकता के बजाय निश्चितता, नारों के बजाय समाधान और व्यवधान के बजाय जवाबदेही के हकदार हैं।

डीआरडीओ ने किए ये दो बड़े समझौते

आसमान में एयरफोर्स की निगरानी होगी और मजबूत

नई दिल्ली: रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ये अनुबंध अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड व एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड के साथ किए गए हैं। डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयर बोर्न सिस्टम्स (कैब्स) ने छह ए321 विमानों को विशेष सैन्य भूमिका के लिए तैयार करने हेतु एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड के साथ समझौता किया है। ये विमान पहले वाणिज्यिक उड़ानों में इस्तेमाल होते थे, लेकिन अब इन्हें अत्याधुनिक हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण प्लेटफॉर्म में बदला जाएगा। **(शेष पेज 5 पर)**

भविष्य में आसमान से मिलने वाली 'तीसरी आंख'-एमके-2

■ डीआरडीओ के एईडब्ल्यू एंड सी एमके-2 में लंबी अवधि तक उड़ान भरने की क्षमता, उन्नत हवाई निगरानी, सुरक्षित संचार नेटवर्क, बेहतर परिस्थितिजन्य जागरूकता और अत्याधुनिक कमान एवं नियंत्रण सुविधाएं होंगी। इससे भारतीय वायुसेना की दूरस्थ क्षेत्रों में निगरानी और खतरों का समय रहते पता लगाने की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। परियोजना के तहत एयरबस डिफेंस एंड स्पेस द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले संशोधित विमानों पर मिशन सिस्टम्स का एकीकरण किया जाएगा। इसके बाद डीआरडीओ, उद्योग साझेदारों और भारतीय वायुसेना की संयुक्त टीम व्यापक उड़ान परीक्षण करेगी।

क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटी रैंकिंग 2027

मुंबई भारत का नंबर-1 छात्र शहर

मुंबई: वैश्विक हायर एजुकेशन एनालिटिक्स संस्था QS Quacquarelli Symonds (दर) ने बेस्ट स्टूडेंट सिटीज रैंकिंग 2027 जारी कर दी है। इस साल की रैंकिंग में भारतीय शहरों का प्रदर्शन पहले से बेहतर रहा है। मुंबई भारत का सबसे अच्छा छात्र शहर बनकर उभरा है, जबकि दिल्ली को दुनिया का सबसे किफायती छात्र शहर माना गया है। 150 शहरों की रैंकिंग्स में चार भारतीय शहरों ने जगह बनाई है।

मुंबई ने लगाई बड़ी छलांग: भारतीय शहरों में सबसे अच्छा प्रदर्शन मुंबई का रहा। पिछले साल मुंबई 98वें स्थान पर था, लेकिन इस बार 7 स्थान की बढ़त के साथ 91वें स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई को कुल 61.8 अंक मिले हैं और यह भारत का सबसे बेहतर छात्र शहर बन गया है। मुंबई को पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार के अवसर के मामले में दुनिया में 34वीं रैंक मिली है। वहीं किफायती शिक्षा की श्रेणी में इसे 12वां स्थान मिला है।

दिल्ली पहली बार टॉप-100 में पहुंचा: देश की राजधानी दिल्ली ने भी इस बार शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले साल 104वें स्थान पर रहने वाला दिल्ली शहर इस बार 99वें स्थान पर पहुंच गया है और पहली बार वैश्विक टॉप-100 में शामिल हुआ। **(शेष पेज 5 पर)**

संपादकीय

राष्ट्रीय ध्वज : राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा-स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय-उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन-ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।

सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह ह्यत्रिदेवह्व जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से

मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है। रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है। जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरी में हर साल लाखों की संख्या में विदेशी श्रद्धालु आते हैं, जो इस भव्य आयोजन में भाग लेकर भारतीय संस्कृति की गहराई को अनुभव करते हैं। यह भारत की सॉफ्ट पावर का एक जीवंत उदाहरण है, जहां धर्म, संस्कृति और पर्यटन एक साथ राष्ट्र के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करते हैं। यह केवल धर्म का उत्सव नहीं, लोकजीवन का उत्सव बन जाता है। कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक उत्सव है बल्कि भारतीय संस्कृति, समर्पण, समानता और सामाजिक एकता की ऐसी गाथा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाती है कि जब हम समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हैं तो स्वयं ईश्वर हमारे रथ में सवार होकर हमें मार्ग दिखाने आते हैं।

प्यूपिल्स टाइम्स विशेष शोध-श्रृंखला

2026 का छात्र-आंदोलन : कक्षा से संसद तक नागरिक सक्रियता का नया समाजशास्त्र

भाग-1

एक आंदोलन का जन्म : जब परीक्षा व्यवस्था के विरुद्ध उठी छात्रों की आवाज

'किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके संसद भवनों में नहीं, बल्कि उन परीक्षा कक्षों में भी लिखा जाता है जहाँ लाखों युवा अपने परिश्रम, विश्वास और सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उस विश्वास पर प्रश्न उठने लगें, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था का नहीं, लोकतांत्रिक संस्थाओं में नागरिक आस्था का भी प्रश्न बन जाता है।'

प्रस्तावना

एक नया भारत, एक नई बेचैनी

भारत विश्व का सबसे युवा लोकतंत्रों में से एक है। हर वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने जीवन की नई दिशा तलाशते हैं। इन परीक्षाओं का महत्व केवल शैक्षणिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है; वे सामाजिक गतिशीलता, आर्थिक प्रगति और परिवारों की पीढ़ीगत आकांक्षाओं का आधार भी हैं। एक छोटे कस्बे का विद्यार्थी, सीमित आय वाले परिवार की बेटी, ग्रामीण क्षेत्र का अभ्यर्थी अथवा महानगर का युवा सभी के लिए प्रतियोगी परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि अवसर की समानता का प्रतीक है। इसी कारण भारत में परीक्षा-व्यवस्था पर समाज का विश्वास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब कोई विद्यार्थी परीक्षा में सफल होता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है; जब वह असफल होता है, तब भी वह परिणाम को स्वीकार कर लेता है—यदि उसे यह विश्वास हो कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी थी। लोकतांत्रिक संस्थाओं की वास्तविक शक्ति केवल उनके अधिकार में नहीं, बल्कि नागरिकों के उस विश्वास में निहित होती है जो वे उन संस्थाओं पर करते हैं।

वर्ष 2026 में यही विश्वास राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन गया

प्रतियोगी परीक्षाओं के बढ़ते डिजिटलीकरण, केंद्रीकृत परीक्षा प्रणालियों, तकनीकी प्रक्रियाओं और बड़े पैमाने पर आयोजित परीक्षाओं ने प्रशासनिक दक्षता को नई दिशा दी है। इसके साथ ही कुछ नए प्रश्न भी सामने आए तकनीकी व्यवधान, परीक्षा संचालन की पारदर्शिता, नॉर्मलाइजेशन जैसी जटिल प्रक्रियाओं की स्पष्टता, शिकायत निवारण की गति तथा संस्थागत संवाद की गुणवत्ता। इन प्रश्नों ने लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के बीच यह जिज्ञासा उत्पन्न की कि क्या परीक्षा-प्रणाली केवल निष्पक्ष है, या वह उतनी ही पारदर्शी भी दिखाई देती है।

यहीं से एक व्यापक सामाजिक विमर्श का आरम्भ हुआ यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल की रणनीति से जन्मा हुआ आंदोलन नहीं था। इसकी मूल प्रेरणा छात्रों की उन आशंकाओं से जुड़ी थी, जिनका संबंध परीक्षा की प्रक्रिया, मूल्यांकन की विश्वसनीयता और संस्थागत उत्तरदायित्व से था। प्रारम्भिक चरण में इसकी भाषा प्रशासनिक थी—स्पष्टीकरण की मांग, प्रक्रिया की पारदर्शिता, संवाद की अपेक्षा और व्यवस्था में सुधार का आग्रह। यही इसकी विशिष्टता थी।

एक पीढ़ी का बदलता मनोविज्ञान

समाजशास्त्र हमें बताता है कि प्रत्येक पीढ़ी अपने समय के किसी एक केंद्रीय प्रश्न के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। स्वतंत्रता-पूर्व भारत की पीढ़ी ने राजनीतिक स्वतंत्रता को अपना प्रश्न बनाया। स्वतंत्रता के बाद विभिन्न कालखंडों में सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार, शिक्षा, रोजगार और प्रतिनिधित्व जैसे विषय सार्वजनिक आंदोलनों के केंद्र बने। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में उभरती युवा पीढ़ी का एक प्रमुख प्रश्न संस्थागत पारदर्शिता और प्रक्रियात्मक न्याय का है। यह पीढ़ी सूचना-समृद्ध है, तकनीकी रूप से सक्षम है और सार्वजनिक संस्थाओं से अधिक उत्तरदायित्व की अपेक्षा करती है। वह केवल निर्णय नहीं, बल्कि निर्णय की प्रक्रिया को भी समझना चाहती है। यही कारण है कि आज का विद्यार्थी केवल परिणाम जानने से संतुष्ट नहीं होता; वह यह भी जानना चाहता है कि परिणाम तक पहुँचने की प्रक्रिया क्या थी। यह परिवर्तन केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। यह शासन, प्रशासन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नागरिक अपेक्षाओं में आए व्यापक परिवर्तन का भी संकेत है।

यह लेख क्या है और क्या नहीं है

यह शोध-श्रृंखला किसी राजनीतिक दल, किसी सरकारी संस्था या किसी छात्र संगठन के पक्ष अथवा विपक्ष में लिखी गई टिप्पणी नहीं है। इसका उद्देश्य किसी आरोप का समर्थन या खंडन करना भी नहीं है। यह श्रृंखला एक व्यापक सामाजिक प्रश्न का अध्ययन है—

छात्र आंदोलन कैसे जन्म लेते हैं?

वे किन सामाजिक परिस्थितियों में विकसित होते हैं?

डिजिटल माध्यम उनकी संरचना और गति को कैसे बदलते हैं?

राजनीति, मीडिया और नागरिक समाज उनके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं?

और लोकतांत्रिक व्यवस्था इन आंदोलनों से क्या सीख सकती है?

इन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास इस श्रृंखला में किया जाएगा।

इतिहास की एक महत्वपूर्ण सीख

इतिहास यह बताता है कि बड़े आंदोलन प्रायः किसी एक बड़ी घटना से नहीं, बल्कि अनेक छोटे-छोटे अनुभवों के संचय से जन्म लेते हैं। कभी किसी छात्र की शिकायत, कभी किसी अभिभावक की चिंता, कभी किसी तकनीकी समस्या पर उठे प्रश्न और कभी संवाद की कमी—ये सभी मिलकर एक ऐसे वातावरण का निर्माण करते हैं जिसमें व्यक्तिगत अनुभव सामूहिक अनुभव में बदलने लगता है। जब हजारों लोग यह महसूस करने लगते हैं कि उनकी समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि साझा है, तभी एक आंदोलन का जन्म होता है। यही कारण है कि किसी भी आंदोलन को समझने के लिए केवल उसकी रैलियों या नारों को देखना पर्याप्त नहीं होता; उसके सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और संस्थागत आधार को भी समझना आवश्यक होता है।

प्यूपिल्स टाइम्स का दृष्टिकोण

प्यूपिल्स टाइम्स का मानना है कि लोकतंत्र में प्रश्न पूछना उतना ही आवश्यक है जितना उत्तर देना। छात्र यदि पारदर्शिता की मांग करते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वाभाविक अंग है। उसी प्रकार राज्य और संस्थाओं का दायित्व है कि वे संवाद, तथ्यों और उत्तरदायित्व के माध्यम से नागरिक विश्वास को सुदृढ़ करें। 2026 का छात्र आंदोलन इसी विश्वास, संवाद और उत्तरदायित्व के संबंध को समझने का अवसर प्रदान करता है।

इसी दृष्टि से यह शोध-श्रृंखला तैयार की गई है।

क्रमशः...

अगले अध्याय में:

'आंदोलन कहाँ से उभरा?'

हम यह समझेंगे कि भारत के कोचिंग नगर—मुखर्जी नगर, प्रयागराज, कोटा, पटना और अन्य शिक्षा केंद्र—कैसे केवल अध्ययन स्थल नहीं रहे, बल्कि आकांक्षी भारत की सामाजिक प्रयोगशालाएँ बन गए, और कैसे स्थानीय असंतोष ने राष्ट्रीय विमर्श का रूप लेना प्रारम्भ किया।

प्यूपिल्स टाइम्स

मीरारोड में खुलेगा नया राशन कार्यालय

मुंबई : मीरा-भाईदर के करीब 15 लाख नागरिकों को जल्द ही राशन कार्ड से जुड़े कामों के लिए लंबी कतारों और बार-बार भाईदर कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी। महाराष्ट्र सरकार ने मीरा रोड में नए राशन वितरण कार्यालय की स्थापना को प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। यह कार्यालय 42 अधिकृत राशन दुकानों का संचालन करेगा और बढ़ती आबादी को देखते हुए राशन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर बताया था कि मीरा-भाईदर की आबादी 15 लाख से अधिक हो चुकी है और हर वर्ष 30 से 50 हजार लोगों की वृद्धि हो रही है। पूरे शहर में केवल एक राशन वितरण कार्यालय होने से नया राशन कार्ड बनवाने, नाम जोड़ने-हटाने, पता बदलने और अन्य कार्यों के लिए नागरिकों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने मीरा रोड में नया कार्यालय तत्काल शुरू करने की मांग की थी। राज्य सरकार ने इस सिफारिश को स्वीकार करते हुए 39 मौजूदा और 3 अतिरिक्त यानी कुल 42 अधिकृत राशन दुकानों के लिए मीरा रोड में नया कार्यालय मंजूर किया है। इसके बाद वर्तमान भाईदर राशन कार्यालय के अधीन 122 दुकानों में से 80 दुकानें भाईदर कार्यालय के पास रहेंगी, जबकि 42 दुकानें नए मीरारोड कार्यालय के अधीन आएंगी। नए कार्यालय के लिए राशन अधिकारी, सहायक राशन वितरण अधिकारी, राशन वितरण निरीक्षक, क्लर्क-टाइपिस्ट सहित कुल 24 पद स्वीकृत किए गए हैं। इनमें नियमित पदों के अलावा चतुर्थ श्रेणी के कुछ पद आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से भरे जाएंगे।

मुंबई के हास्य कवि सुरेश मिश्र को 'महाकवि बाण पुरस्कार'

'डमरू शतक' एवं 'दोहे श्रृंगार के' का हुआ विमोचन

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

लखनऊ/ मुंबईः देशभारती इंटर कॉलेज, राजाजीपुरम स्थित बाण सभागार में आयोजित समारोह में मुंबई के वरिष्ठ हास्य कवि सुरेश मिश्र को उनकी कृति 'डमरू शतक' के लिए प्रतिष्ठित 'महाकवि बाण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने स्मृति-चिह्न, प्रशस्ति-पत्र तथा ₹51,000 की सम्मान-राशि के साथ प्रदान किया।

इस अवसर पर सुरेश मिश्र की नई पुस्तकों 'डमरू शतक' तथा 'दोहे श्रृंगार के' का लोकार्पण भी विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि 'डमरू शतक' को डमरू छंद पर आधारित हिंदी का प्रथम काव्य-संग्रह माना जा रहा है।

समारोह में संस्थापक पं. वेदव्रत वाजपेई का जन्मदिवस 'गुरु पर्व' के रूप में मनाया गया तथा मनुव्रत वाजपेई के संचालन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।

'महाकवि बाण पुरस्कार' से सम्मानित होने के उपरांत हास्य कवि सुरेश मिश्र अपनी नवीन कृतियों के साथ।

इसमें सुरेश मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित कवियों ने काव्य-पाठ किया।

कार्यक्रम में साहित्यकारों, शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में साहित्य-प्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राज्यभर में एफडीए की बड़ी कार्रवाई

गुटखा, दूध और खाद्य सामग्री जब्त, 103 प्रतिष्ठानों की जांच पूरी

मुंबई : राज्य में खाद्य मिलावट, प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों और अस्वच्छ खाद्य कारोबार के खिलाफ एफडीए ने व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। 16 से 20 जुलाई के बीच चलाए गए विशेष अभियान में कुल 53 छापे मारे गए। इस दौरान गुटखा, पान मसाला, दूध, दुग्ध उत्पाद और अन्य खाद्य सामग्री सहित करीब 1.85 करोड़ रुपए का माल जब्त किया गया। इसी तरह 103 प्रतिष्ठानों की जांच पूरी हो चुकी है। साथ ही नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देने के लिए एआई आधारित शिकायत पोर्टल भी शुरू किया गया है। राज्यव्यापी विशेष जांच अभियान के दौरान 1,731 लीटर दूध और 896 किलोग्राम दुग्ध उत्पाद जब्त

किए गए। गोवंडी स्थित सूफी डेयरी में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर 1,683 लीटर दूध जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। लातूर में संदिग्ध खोया, धाराशिव में स्कूली पोषण आहार में इस्तेमाल होने वाली सोयाबीन वड़ी तथा सिन्नर के दो दूध कारोबारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाले के खिलाफ अभियान में 37 मामले दर्ज किए गए और 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया। करीब 1.80 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ जब्त किया गया। इसके अलावा 23 प्रतिष्ठानों को सील किया गया और तीन वाहन जब्त किए गए। साथ ही अन्य खाद्य पदार्थों का 5.56 लाख रुपये मूल्य का लगभग 2,796 किलोग्राम स्टॉक भी जब्त किया गया।

प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

राज्यभर में 103 होटल, रेस्तरां और ढाबों की जांच की गई। इनमें से 34 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए, जबकि 16 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। पुणे, नागपुर, अमरावती, नासिक सहित कई क्षेत्रों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए।

मुंबई : माल ढुलाई से मध्य रेल ने अप्रैल-जून में कमाएं 2143 करोड़

मुंबई : मध्य रेल ने अप्रैल से जून 2026 की अवधि के दौरान माल ढुलाई में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 2 माह में 8048 रेकों के माध्यम से 21.21 मिलियन टन माल लदान किया है। अप्रैल से जून 2026 की अवधि में माल लदान से मध्य रेल ने कुल 2143.84 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। कुल 21.21 मीट्रिक टन लोडिंग में से, नागपुर डिवीजन का योगदान 12.47 मीट्रिक टन (59%) रहा, इसके बाद मुंबई डिवीजन का योगदान 5.18 मीट्रिक टन (लगभग 24%) रहा। अन्य डिवीजनों के योगदान में सोलापुर डिवीजन का 1.85 मीट्रिक टन (9%), भुसावल डिवीजन का 1.27 मीट्रिक टन (6%) और पुणे डिवीजन का 0.45 मीट्रिक टन (2%) शामिल है। कुल 2143.84 करोड़ रुपये के राजस्व में, सबसे बड़ा योगदान नागपुर डिवीजन का रहा, जिसका राजस्व 1282.73 करोड़ रुपये (लगभग 60%) था, इसके बाद मुंबई डिवीजन का योगदान 491.34 करोड़ रुपये (23%) रहा। अन्य प्रभागों से प्राप्त राजस्व भुसावल प्रभाग द्वारा 148.50 करोड़ रुपये (7%), सोलापुर प्रभाग द्वारा 128.89 करोड़ रुपये (6%) और पुणे प्रभाग द्वारा 92.39 करोड़ रुपये (4%) रहा है। माल लदान में मुख्य रूप से कोयला,कंटेनर, पेट्रोलियम उत्पाद, सीमेंट, लौह एवं इस्पात, उर्वरक अन्य वस्तुएँ (लौह अयस्क, ऑटोमोबाइल, क्लिंकर, चीनी, प्याज, डी-ऑयल्ड केक, बैलास्ट आदि) रहे।

दिल्ली से वीरेंद्र शर्मा की हुंकार

▶▶ जौनपुर में मोर्चा की बड़ी बैठक

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

लखनऊ/मुंबईः भारतीय स्वराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट अभ्यर्थियों पर हुए कथित लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि छात्रों की मांगों के प्रति पूरी सहानुभूति है और शिक्षा व्यवस्था की खामियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से शांतिपूर्ण आंदोलन की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रविरोधी नारे, हिंसा और देश तोड़ने की राजनीति स्वीकार नहीं होगी। शर्मा ने सरकार से यूजीसी की नीतियों पर पुनर्विचार की मांग भी की। वहीं जन भागीदारी संकल्प मोर्चा की 21 जून 2026, रविवार को जौनपुर के सिपाह स्थित होटल रिवर व्यू में बड़ी बैठक हुई जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश त्यागी और जिलाध्यक्ष डा. सर्वेश सूर्यवंशी ने 'मिशन 2027' के लिए सभी पदाधिकारियों से उपस्थिति की अपील की। बैठक में संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी।

बेस्ट के कायाकल्प का तैयार ब्लूप्रिंट

डबल डेकर विस्तार, नए रूट और भर्ती के आदेश

मुंबईः मुंबई की लाइफलाइन 'बेस्ट' को बदलने और यात्रियों का सफर संवारने के लिए बड़े स्तर पर ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है। डबल डेकर बसों का विस्तार होगा। नए बस रूट शुरू किए जाएंगे। इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा बढ़ेगा। बेस्ट की अपनी बसों की संख्या में इजाफा होगा। चालक-परिचालकों की लंबित भर्ती पूरी की जाएगी। किराया सुधार पर भी फैसला होगा। इन सभी प्रस्तावों पर बेस्ट समिति की अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव ने अधिकारियों को व्यवहार्यता जांचकर फास्ट ट्रैक पर अमल शुरू करने के निर्देश दिए। माना जा रहा है कि इन फैसलों से बेस्ट सेवा अधिक आधुनिक, सुविधाजनक और यात्री-केंद्रित बनेगी।

मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली बेस्ट सेवा को अधिक सक्षम, आधुनिक और यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। बेस्ट समिति और 'आपली

बेस्ट आपल्याचसाठी' यात्री संगठन की संयुक्त विशेष बैठक बेस्ट समिति की अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बस मार्गों के पुनर्गठन, डबल डेकर बस सेवा, इलेक्ट्रिक बसों और मानव संसाधन भर्ती जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन के अध्यक्ष रुपेश शेलटकर ने यात्रियों की भागीदारी से सफल हुए बस मार्ग सुधारों की प्रस्तुति दी। उन्होंने मुंबई की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी डबल डेकर बस सेवा को केवल दक्षिण मुंबई तक सीमित न रखकर उपनगरों और पर्यटन स्थलों तक विस्तार देने की मांग की। साथ ही लंदन, मैसूर और केरल की तर्ज पर मार्ग संख्या 123 और 124 पर तत्काल डबल डेकर बस सेवा शुरू करने का अभिनव प्रस्ताव भी रखा। इन सुझावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए अध्यक्ष विश्वासराव ने अधिकारियों को व्यवहार्यता जांचकर शीघ्र अमल करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

यात्री संगठन द्वारा प्रस्तुत अध्ययन पूर्ण और तथ्याधारित सुझावों की सराहना करते हुए अध्यक्ष तृष्णा विश्वासराव ने कहा कि नियमों की आड़ लेने के बजाय यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को सभी प्रस्तावों की व्यवहार्यता का तत्काल परीक्षण कर शीघ्र अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विश्वास व्यक्त किया गया कि प्रशासन और यात्रियों के बीच इस तरह का संवाद बेस्ट के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण की दिशा में निर्णायक साबित होगा।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को भेंट की गई प्यूपिल्स टाइम्स के 24वें संस्करण की प्रति

नगर विकास, जनसरोकार और सकारात्मक पत्रकारिता पर हुआ सार्थक संवाद

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को प्यूपिल्स टाइम्स के 24वें संस्करण की प्रति भेंट करते हुए प्रधान संपादक अनुराग शुक्ला, संपादक अनिल मिश्र, प्रधान पब्लिशर शिव प्रकाश पांडे तथा प्यूपिल्स टाइम्स परिवार के सदस्य।

प्यूपिल्स टाइम्स विशेष संवाददाता

मुंबईः प्यूपिल्स टाइम्स के 24वें संस्करण की प्रति मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को उनके कार्यालय में सादर भेंट की गई। इस अवसर पर प्यूपिल्स टाइम्स परिवार और महापौर के बीच मुंबई के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं, सुशासन तथा जनसरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्यूपिल्स टाइम्स परिवार की ओर से प्रधान संपादक अनुराग शुक्ला, संपादक अनिल मिश्र, प्रधान पब्लिशर शिव प्रकाश पांडे, विकास मौर्य, वीरेन्द्र शर्मा (PPMN), विवेक मिश्रा (PPMN) तथा मुंबई के वरिष्ठ संवाददाताओं ने महापौर को समाचार-पत्र की प्रति भेंट की। इस अवसर पर प्यूपिल्स टाइम्स परिवार ने महापौर ऋतु तावड़े की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे नागरिकों की समस्याओं के समाधान, जनप्रतिनिधियों के समन्वय तथा महानगर के विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। उनकी संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण मुंबई के सुशासन को नई दिशा प्रदान कर रहा है। महापौर ऋतु तावड़े ने प्यूपिल्स टाइम्स के 24वें संस्करण के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निष्पक्ष, उत्तरदायी और रचनात्मक पत्रकारिता लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्यूपिल्स टाइम्स समाजोपयोगी समाचारों और सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से जनजागरण में अपनी सार्थक भूमिका निभाता रहेगा।

मुख्यमंत्री सहायता निधि के माध्यम से केवल कैंसर निदान के लिए

महंगी जांच का खर्च अब सरकार उठाएगी

मुंबईः सरकार ने मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि के अंतर्गत पहली बार बाल कैंसर रोगियों के निदान के लिए अलग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। महंगी जांचों के कारण उपचार में होने वाली देरी को रोकने और समय पर कैंसर की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सहायता निधि, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और टाटा मेमोरियल सेंटर के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया गया है। इस विशेष पहल के तहत राज्य के 200 आर्थिक रूप से कमजोर बाल कैंसर मरीजों को कैंसर की पुष्टि के लिए आवश्यक महंगी चिकित्सीय जांचों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत से 18 वर्ष आयु वर्ग के पात्र बच्चे-किशोरों को कैंसर के प्रारंभिक और उन्नत स्तर के निदान के लिए आवश्यक महंगी जांचों का खर्च वहन करने में सहायता मिलेगी। इससे आर्थिक तंगी के कारण जांच में होने वाली देरी कम होगी और समय पर बीमारी का पता लगाकर उपचार शीघ्र शुरू किया जा सकेगा। इस योजना की शुरूआत के पहले 2 महीनों में ही 59 बाल मरीजों को करीब 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। इन सभी बच्चों का कैंसर निदान टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई में किया गया। यह पहली बार है जब मुख्यमंत्री सहायता निधि के माध्यम से केवल कैंसर निदान के लिए अलग आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है क्योंकि समय पर जांच होने से उपचार में देरी कम होगी और बच्चों के स्वस्थ होने की संभावना बढ़ेगी। मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष के प्रमुख रामेश्वर नाईक ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कुल 200 पात्र बाल मरीजों को लाभदिया जाएगा जिनमें से अब तक 59 बच्चों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों से अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-123-2211 पर संपर्क करने की अपील की।

कैब ड्राइवरों की मनमानी पर ब्रेक!

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं (Ola, Uber, Rapido) का इस्तेमाल करने वाले लाखों यात्रियों के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी राहत और सौगात का ऐलान किया है। अक्सर देखा जाता है कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या अस्पताल जैसी अति-संवेदनशील और जरूरी जगहों के लिए कैब बुक करने के बाद ड्राइवर मनमाने ढंग से राइड कैंसल कर देते हैं, जिससे यात्रियों की फ्लाइट या ट्रेन छूट जाती है अथवा आपातकालीन इलाज में देरी होती है। अब राज्य सरकार की नई व्यापक एग्रीगेटर नीति के तहत इस तरह की मनमानी पर रोक लगाने के लिए बेहद सख्त कानूनी और वित्तीय प्रावधान लागू किए गए हैं। समय-संवेदनशील यात्राओं की बुकिंग रद्द करने पर कैब ड्राइवरों पर सामान्य जुमार्ने से पांच गुना अधिक दंड लगाया जाएगा, और सबसे राहत की बात यह है कि यह वसूली गई राशि सीधे पीड़ित यात्री के ऐप खाते में जमा की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में अधिसूचित 'महाराष्ट्र मोटर वाहन एग्रीगेटर नियम, 2026' के नियम-17 के अनुसार, यात्रा स्वीकार करने के बाद उसे मनमाने ढंग से रद्द करने वाले चालक पर कुल किराए का 10 प्रतिशत या अधिकतम 100 रुपये तक जुमार्ना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, यदि चालक बुकिंग स्वीकार करने के बाद तय समय से 10 मिनट के भीतर यात्री तक नहीं पहुंचता है, तो उसे भी चालक द्वारा ही राइड कैंसिलेशन माना जाएगा और 100 रुपये का दंड लगेगा। वहीं, ऑटो-टैक्सी बुकिंग किसी अस्पताल, हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन के लिए की गई है, तो जुमार्ने की यह राशि पांच गुना तक बढ़ा दी जाएगी। राज्य सरकार ने एग्रीगेटर कंपनियों (ओला, उबर, आदि) को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने मोबाइल ऐप में ऐसा तकनीकी संशोधन करें जिससे चालक ऐसी महत्वपूर्ण यात्राओं को रद्द न कर सकें। नई एग्रीगेटर नीति को पारदर्शी और संतुलित बनाने के लिए नियमों का दायरा केवल कैब ड्राइवरों तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि यात्रियों की जवाबदेही भी तय की गई है। यदि कोई यात्री बिना किसी ठोस या उचित कारण के अचानक अपनी बुक की गई राइड कैंसल करता है, तो उसे कुल किराए का 5 प्रतिशत या अधिकतम 100 रुपये तक पेनल्टी देनी होगी।

164 अनधिकृत स्कूलों पर कार्रवाई

26 हजार से ज्यादा छात्र प्रभावित

वैकल्पिक दाखिले की चुनौती बढ़ी

मुंबईः मुंबई महानगरपालिका (BMC) के शिक्षा विभाग ने शहर में संचालित अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 164 स्कूलों को बंद कर दिया है। इसके अलावा 77 स्कूलों के खिलाफ पुलिस में मामले दर्ज किए गए हैं। इस कार्रवाई से सुमारे 26 हजार विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनके लिए अब वैकल्पिक स्कूलों में प्रवेश सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग के सामने बड़ी चुनौती बन गया है।

जानकारी के अनुसार, कार्रवाई के बाद प्रभावित विद्यार्थियों को आसपास के स्कूलों में दाखिला दिलाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, कई इलाकों में स्कूलों में सीटों की कमी के कारण प्रवेश प्रक्रिया अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में शिक्षा विभाग अन्य उपलब्ध स्कूलों में विद्यार्थियों के समायोजन का प्रयास कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक प्रभावित

विद्यार्थियों में से करीब 650 छात्रों को ही अन्य स्कूलों में प्रवेश मिल सका है। वहीं, शेष विद्यार्थियों के दाखिले के लिए लगातार बैठकें और समन्वय की प्रक्रिया जारी है। इस बीच, पालिका स्कूलों के मुख्याध्यापकों को भी प्रभावित विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें नजदीकी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे नियमित शैक्षणिक कार्यों के साथ उन पर अतिरिक्त जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। यदि विद्यार्थियों को घर से दूर स्थित स्कूलों में प्रवेश देना पड़ा, तो उनके आवागमन की सुविधा के लिए इएरळ बस सेवा उपलब्ध कराने के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सबसे अधिक प्रभाव एम पूर्व (गोवंडी) क्षेत्र में देखा गया है, जहां 64 स्कूलों पर कार्रवाई हुई है और करीब 10 हजार विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं। वहीं पी उत्तर (मालवणी-अंबुजवाड़ी) क्षेत्र में 14 स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अनधिकृत स्कूलों पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन इसके साथ प्रभावित विद्यार्थियों के पुनर्वास की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक था। फिलहाल शिक्षा विभाग का ध्यान सभी विद्यार्थियों को जल्द से जल्द वैकल्पिक स्कूलों में प्रवेश दिलाने पर है।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Badar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS · SHOPS · BUNGALOWS
LANDS · REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane.
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

फिट रहने के लिए सलाद खाना कितना फायदेमंद?

■ डॉ. आशीष मिश्रा
श्रीराम पॉलिक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना

आजकल फिटनेस और वजन कम करने के लिए कई लोग अपनी डाइट में बदलाव कर रहे हैं। खासतौर पर सेलिब्रिटीज और फिटनेस फ्रीक लोगों के बीच लंच में सिर्फ सलाद खाने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। यानी एक महीने तक दोपहर के खाने में सिर्फ सलाद खाने का आइडिया सुनने में काफी हेल्दी लग सकता है, लेकिन क्या यह शरीर के लिए हमेशा फायदेमंद होता है? सलाद में फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए अच्छे होते हैं। लेकिन अगर लंबे समय तक सिर्फ सलाद खाया जाए तो हो सकता है कि शरीर में कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए किसी भी डाइट को फॉलो करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आपके शरीर को किन पोषक तत्वों की जरूरत है। आइए जानते हैं कि एक महीने तक लंच में सिर्फ सलाद खाने से शरीर पर क्या असर पड़ सकता है।

अगर आप लंच में हाई कैलोरी वाले खाने की जगह सलाद खाते हैं, तो शरीर में कैलोरी की मात्रा कम हो सकती है। इससे वजन कम होने में मदद मिल सकती है। खासकर जिन लोगों की डाइट पहले ज्यादा तली-भुनी और प्रोसेस्ड फूड वाली थी, उन्हें इसका असर जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, वजन कम होना सिर्फ सलाद खाने से नहीं बल्कि पूरे दिन की कुल कैलोरी और एक्टिविटी पर निर्भर करता है। सलाद में मौजूद सब्जियां जैसे खीरा, गाजर, टमाटर, पत्तेदार सब्जियां और चुकंदर फाइबर से भरपूर होती हैं। फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं को कम कर सकता है। फाइबर ज्यादा लेने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, जिससे बार-बार खाने की इच्छा कम हो सकती है। सिर्फ सब्जियों वाला सलाद खाने से शरीर को पर्याप्त प्रोटीन नहीं मिल पाता। प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूत रखने, हार्मोन बैलेंस

और शरीर की मरम्मत के लिए जरूरी होता है। अगर सलाद में पनीर, स्प्राउट्स, चना, दाल, अंडा या टोफू जैसी प्रोटीन वाली चीजें शामिल नहीं हैं, तो लंबे समय तक कमजोरी महसूस हो सकती है। काबोर्हाइड्रेट शरीर को तुरंत ऊर्जा देने का काम करते हैं। सिर्फ सलाद खाने से कई लोगों को दिन में थकान, कमजोरी या ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। खासकर ज्यादा मेहनत करने वाले लोगों, खिलाड़ियों या एक्सरसाइज करने वालों के लिए संतुलित डाइट जरूरी होती है।

हेल्दी सलाद डाइट कैसे लें?

- सलाद में सिर्फ सब्जियां ही नहीं बल्कि प्रोटीन भी शामिल करें।
- चना, स्प्राउट्स, पनीर, टोफू, अंडा या दाल मिलाएं।
- थोड़ी मात्रा में हेल्दी फैट जैसे बीज, नट्स या ऑलिव ऑयल शामिल कर सकते हैं।
- शरीर की जरूरत के अनुसार काबोर्हाइड्रेट भी लें।
- हर दिन अलग-अलग सब्जियों का इस्तेमाल करें।

'यह परिशिष्ट किसी एक मत या संप्रदाय का प्रचार नहीं, बल्कि मानवता, नैतिकता, आध्यात्मिकता और सहअस्तित्व के सार्वभौमिक मूल्यों का मंच है।'

'आध्यात्मिक संवाद'

गुरु पूर्णिमा का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में गुरु पूर्णिमा का पर्व एक विशेष स्थान रखता है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पावन उत्सव गुरु के प्रति अगाध श्रद्धा, कृतज्ञता और आदर प्रकट करने का दिन है। गुरु ही वह मार्गदर्शक हैं जो साधक को अज्ञान के तिमिर से निकालकर ज्ञान के आलोक की ओर ले जाते हैं। वर्ष 2026 में यह पावन पर्व 29 जुलाई, बुधवार को मनाया जाएगा। भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। जीवन विकास के लिए भारतीय संस्कृति में गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई है। गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है, क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन।

गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्न-विनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिए आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। इस पावन पर्व की जड़े हमारे पौराणिक इतिहास और दर्शन से गहराई से जुड़ी हुई हैं:

आदिगुरु महर्षि वेदव्यास की जयंती: पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी शुभ तिथि पर चारों वेदों के वर्गीकरण कर्ता और महाभारत जैसे महान महाकाव्य के रचयिता महर्षि कृष्णद्वैपायन वेदव्यास जी का अवतरण हुआ था। इसी कारण इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। वे मानव चेतना के आदिगुरु स्वीकार किए जाते हैं।

महान आचार्यों का स्मरण: यह दिन सनातन परंपरा के उन महान स्तंभों को याद करने का भी है, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी; जैसे जगद्गुरु श्री आदि शंकराचार्य, श्री रामानुजाचार्य और श्री माधवाचार्य।

अज्ञान के अंधकार का नाश: 'गुरु' शब्द स्वयं में एक महामंत्र है। यहाँ 'गु' का तात्पर्य अंधकार (अज्ञान) से है और 'रु' का अर्थ है उसका निरोध या विनाश करने वाला। जो शिष्य के जीवन से अज्ञानता को मिटा दे, वही गुरु है।

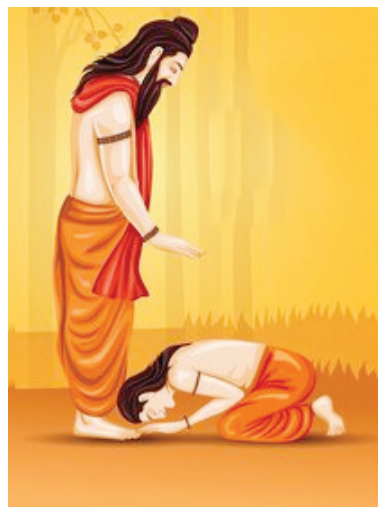

ग्रह नक्षत्रों का शुभ प्रभाव: ज्योतिषीय दृष्टि से इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण वैभव में होता है। साथ ही, गुरु का सीधा संबंध देवगुरु बृहस्पति से है, जो बुद्धि, विवेक और आध्यात्मिक उन्नति के कारक हैं। इस दिन गुरु कृपा से कुंडली के कई दोष स्वतः शांत हो जाते हैं।

गुरु पूर्णिमा पूजन विधि:
गुरु पूर्णिमा के दिन न केवल दीक्षा देने वाले गुरु, बल्कि माता-पिता और घर के बड़े-बुजुर्गों (जिन्हें हम अपना पहला गुरु मानते हैं) का पूजन किया जाता है। इसकी सरल एवं सात्विक विधि निम्नलिखित है:

1. पावन स्नान एवं संकल्प
पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से पूर्व (ब्रह्म मुहूर्त में) उठकर घर की साफ-सफाई करें। स्नान के पश्चात स्वच्छ, सात्विक वस्त्र (यदि संभव हो तो पीले या सफेद रंग के) धारण करें और व्रत या पूजा का मानसिक संकल्प लें।

2. देव-चौकी का निर्माण
घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या पूर्व दिशा में एक पवित्र चौकी स्थापित करें। उस पर पीला या श्वेत वस्त्र बिछाकर महर्षि वेदव्यास, भगवान विष्णु या अपने व्यक्तिगत दीक्षा-गुरु के चित्र को सुशोभित करें।

3. षोडशोपचार या पंचोपचार पूजन
शुद्ध घी का दीपक और सुगंधित धूप प्रज्वलित करें। इसके बाद रोली, चंदन, अक्षत (बिना टूटे चावल), पुष्प और मौसमी फल अर्पित करें। गुरुदेव के प्रिय सात्विक नैवेद्य जैसे पीली मिठाई या मखाने की खीर का भोग लगाएं।

4. मंत्र साधना एवं दिव्य आरती
एकाग्रचित्त होकर गुरु मंत्र (जैसे- 'गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु, गुरुर देवो महेश्वरः...') का कम से कम 108 बार जाप करें। यदि आप किसी संप्रदाय से दीक्षित हैं, तो गुरु द्वारा दिए गए गुरुमंत्र का मानसिक स्मरण करें। अंत में कर्पूर जलाकर प्रेमपूर्वक आरती करें।

5. साक्षात वंदन एवं उपहार अर्पण
यदि आपके गुरु साक्षात रूप में उपस्थित हैं, तो उनके चरण प्रक्षालन (धोकर) करें, तिलक लगाएं और यथाशक्ति वस्त्र, फल या दक्षिणा भेंट स्वरूप देकर उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें। यदि गुरु दूर हैं, तो मानस पूजा कर उन्हें मन ही मन प्रणाम करें।

6. परोपकार एवं दान की महिमा
इस दिन की पूर्णता दान से होती है। पूजा के उपरांत असमर्थ व जरूरतमंद लोगों को धार्मिक पुस्तकें, अन्न, पीले वस्त्र या सामर्थ्य अनुसार धन का दान अवश्य करें। ऐसा करना आत्मिक शांति और समृद्धि प्रदायक माना जाता है।

पेज-1 का शेष

शासन ने दिए निर्देश: वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के 3.50 लाख शिक्षकों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा...
इसके साथ ही संबंधित शिक्षक के किसी कारण से विद्यालय से अलग होने की स्थिति में प्रधानाचार्य-प्रधानाध्यापक डीआईओएस को इससे अवगत कराएं। ऐसे शिक्षकों को योजना से अलग रखा जाएगा। वहीं प्रधानाध्यापक-प्रधानाचार्य द्वारा आवेदन को प्रमाणित करने के बाद अंतिम अनुमोदन डीआईओएस द्वितीय करेंगे। डीआईओएस सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद आवेदन स्वीकृत करेंगे। इस क्रम में माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान...
उनका उद्देश्य छात्रों के लिए समाधान खोजना कभी था ही नहीं, बल्कि उनका मकसद राजनीतिक सुर्खियों के लिए हंगामा करना था। धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी के लिए, यह छात्रों के बारे में नहीं है। यह चर्चा के हर वास्तविक रास्ते के खुलने के बाद भी जानबूझकर टकराव पैदा करने के बारे में है। हमारी सरकार टएएळ पर चर्चा करने और सदन के पटल पर हमारे युवाओं की हर वास्तविक चिंता का समाधान करने के लिए 100% प्रतिबद्ध है।

क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटी रैंकिंग 2027...
दिल्ली को अफोर्डेबिलिटी (Affordability) श्रेणी में 93.9 अंक मिले हैं, जो इस श्रेणी में दुनिया में सबसे अधिक हैं। इसी वजह से दिल्ली को दुनिया का सबसे किफायती छात्र शहर माना गया है।

डीआरडीओ ने किए ये दो बड़े समझौते...
साथ ही, अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल, कार्यक्रम के मिशन सिस्टम्स के विकास और उत्पादन साझेदार के रूप में चुना गया है। कंपनी डीआरडीओ के साथ मिलकर उन अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करेगी, जो विमान को आसमान में उड़ता हुआ कमांड एवं कंट्रोल केंद्र बना देंगी। रक्षा सचिव तथा डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में बुधवार को नई दिल्ली में इन दोनों अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए। दरअसल एईडब्ल्यू एंड सी विमान किसी भी आधुनिक वायुसेना की आंख और कान माने जाते हैं। ये सैकड़ों किलोमीटर दूर तक हवाई, समुद्री और कुछ परिस्थितियों में जमीनी गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं। इनकी मदद से लड़ाकू विमानों, वायु रक्षा प्रणालियों और कमांड मुख्यालयों को वास्तविक समय में महत्वपूर्ण सूचनाएं मिलती हैं।

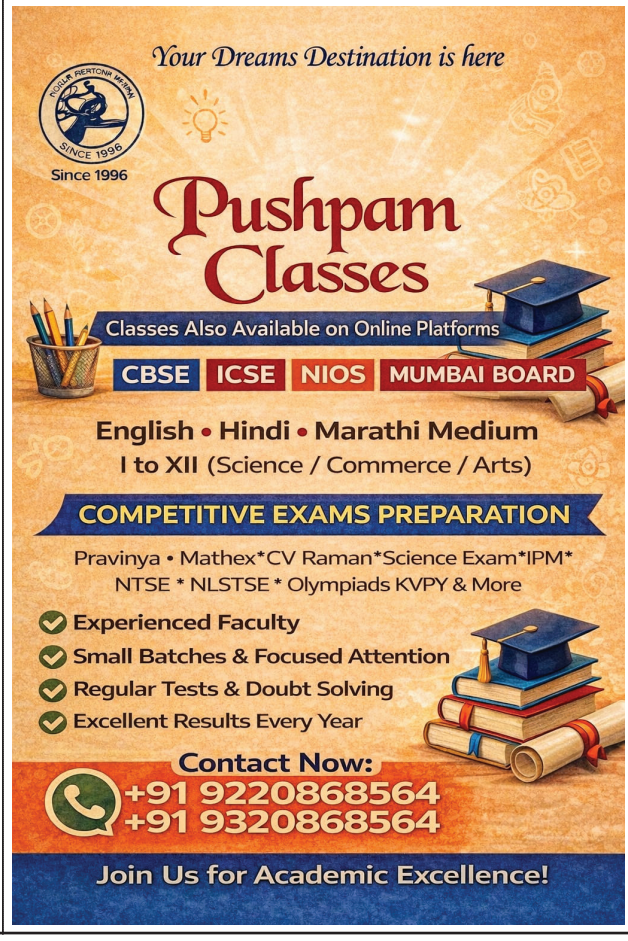

हिमसीमायां वीरतायाः विजयध्वजः

राजस्थानस्य दुहिता शिवा चौहानः–या सियाचिनस्य अग्रिमचौक्यां इतिहासं रचितवती

प्यूपिल्स टाइम्स–नारी–नक्षत्रम्

'यदि सङ्कल्पः दृढः भवति, तर्हि हिमालयोऽपि मार्गः भवति।'

राजस्थानराज्यस्य उदयपुरनगरस्य निवासिनी सेनाकप्तान् शिवा चौहानः अद्य भारतीयनारीणां साहसस्य, अनुशासनस्य, राष्ट्रसेवायाश्च प्रेरणास्रोतः अस्ति।

सा एकादशवर्षीया सती एव पितृवियोगस्य दुःखम् अनुभूतवती। ततः परं तस्याः माता गृहिणी सती अपि सर्वाण्यर्थकष्टानि धैर्येण सोढ्वा पुत्र्याः शिक्षां कदापि न निरुद्धवती। शिवा उदयपुरे एव प्रारम्भिकशिक्षाम् अलभत। अनन्तरम् उदयपुरस्थितात् NJR Institute of Technology इत्यस्मात् संस्थानात् सिविल–अभियांत्रिकीविषये स्नातकपदवीं प्राप्तवती।

बाल्यादेव राष्ट्रसेवायाः भावना तस्याः हृदये दृढा आसीत्। तेन सा चेन्नई–नगरस्थितायाम् Officers Training Academy इत्यस्यां कठोरं सैन्यप्रशिक्षणं सम्पन्नवती। मे २०२१ तमे वर्षे सा भारतीयसेनायाः Corps of Engineers (Bengal Sappers) इत्यस्मिन् अभियान्त्रिकीदले अधिकारिणी अभवत्।

इतिहासनिर्माणस्य क्षणः

२०२३ तस्य वर्षस्य जनवरी–मासस्य द्वितीयदिने सा विश्वस्य उच्चतमे रणक्षेत्रे सियाचिन–हिमनद्याः कुमार–पोस्ट् नाम्नि अग्रिमचौक्यां प्रत्यक्षकर्तव्यनिवार्हाय नियुक्ता। एतेन सा तस्मिन् दुर्गमे हिमप्रदेशे नियुक्ता प्रथमा भारतीय–महिला–अधिकारिणी अभवत्।

अस्याः नियुक्तेः पूर्वं सा Siachen Battle School इत्यत्र एकमासात्मकं कठिनप्रशिक्षणं सम्पन्नवती, यत्र सहनशक्तिवर्धनम्, हिमारोहणम्, हिमस्खलन–रक्षणम्, गह्वर–उद्धारकौशलम् तथा जीवितरक्षणाभ्यासाः समाविष्टाः आसन्।

Fire and Fury Corps इत्यनेन तस्याः असाधारणसेवायाः प्रशंसां कृत्वा ताम् "स्त्रीणां नूतनमार्गस्य उद्घाटिका" इति सम्मानितवती।

प्यूपिल्स टाइम्स इत्यस्य मते शिवा चौहानस्य जीवनयात्रा केवलं व्यक्तिगतसफलतायाः कथा नास्ति; सा तु अस्य सत्यस्य सजीवं प्रमाणम् अस्ति यत् शिक्षया, परिश्रमेण, धैर्येण दृढसङ्कल्पेन च भारतस्य दुहितरः विश्वस्य कठिनतमाः अपि परिस्थितीः विजेतुं समर्थाः भवन्ति।

सा केवलं नारीशक्तेः प्रतीकम् नास्ति, अपि तु साहसस्य, कर्तव्यनिष्ठायाः, राष्ट्रभक्तेः च उज्ज्वलं दैदीप्यमानं उदाहरणम् अस्ति।

विश्व–ओलम्पियाड् २०२६

अन्तर्राष्ट्रीयमञ्चे भारतीयप्रतिभायाः गौरवपूर्णं प्रदर्शनम्

गणिते, भौतिकशास्त्रे, रसायनशास्त्रे, जीवविज्ञाने च भारतस्य उल्लेखनीयं यशः

प्यूपिल्स टाइम्स–शिक्षाविशेषः

वर्षे २०२६ आयोजितेषु अन्तर्राष्ट्रीयशैक्षणिक–ओलम्पियाडेषु भारतस्य प्रदर्शनम् अत्यन्तं गौरवप्रदम् अभवत्। गणिते, भौतिकशास्त्रे, रसायनशास्त्रे, जीवविज्ञाने च भारतीयविद्यार्थिनः स्वप्रतिभया विश्वमञ्चे भारतस्य कीर्तिं वर्धितवन्तः।

अन्तर्राष्ट्रीयगणित–ओलम्पियाड् (IMO) चीनदेशस्य शाङ्घाई–नगरे सम्पन्नः। तत्र भारतीयदलेन द्वौ सुवर्णपदकौ, चत्वारि रजतपदकानि च प्राप्तानि, विश्वे च सप्तमं स्थानम् अलभत।

अन्तर्राष्ट्रीयभौतिकशास्त्र–ओलम्पियाड् (IPhO) कोलम्बियादेशस्य बुकारामाङ्गा–नगरे आयोजितः। भारतीयदलस्य सर्वे पञ्च प्रतिभागिनः सुवर्णपदकैः सम्मानिताः अभवन्, भारतः संयुक्तरूपेण विश्वे प्रथमस्थानम् अलभत।

अन्तर्राष्ट्रीयरसायनशास्त्र–ओलम्पियाड् (IChO) उज्बेकिस्तानस्य ताशकन्द–नगरे सम्पन्नः। अस्मिन् प्रथमवारं भारतीयदलस्य सर्वे चत्वारः प्रतिभागिनः सुवर्णपदकानि प्राप्तवन्तः। एषा भारतस्य ऐतिहासिकी उपलब्धिरभवत्।

अन्तर्राष्ट्रीयजीवविज्ञान–ओलम्पियाड् (IBO) लिथुआनियादेशस्य विल्नियस–नगरे सम्पन्नः। अस्मिन् भारतेन एकं सुवर्णपदकं त्रीणि रजतपदकानि च प्राप्तानि।

एतेभ्यः अतिरिक्तं भारतेन अन्तर्राष्ट्रीयसङ्गणक–ओलम्पियाड् (IOI), खगोलभौतिकी–ओलम्पियाड् (IOAA), पृथिवीविज्ञान–ओलम्पियाड् (IESO), भूगोल–ओलम्पियाड् (iGeo), अर्थशास्त्र–ओलम्पियाड् (IEO) तथा भाषाविज्ञान–ओलम्पियाड् (IOL) इत्येष्वपि उल्लेखनीया सहभागिता प्रदर्शिता।

प्यूपिल्स टाइम्स इत्यस्य मतम्— अन्तर्राष्ट्रीय–ओलम्पियाडाः केवलं पदकप्राप्तेः साधनानि न सन्ति, अपितु वैज्ञानिकदृष्टेः, तार्किकचिन्तनस्य, अनुसन्धानप्रवृत्तेः तथा वैश्विकस्पर्धायाः विकासस्य प्रभावशालीनि माध्यमानि सन्ति। भारतस्य निरन्तरवर्धमानाः उपलब्धयः एतत् प्रमाणयन्ति यत् भारतीययुवप्रतिभाः विश्वस्य कठिनतमान्यप्याव्हानानि सफलतया स्वीकर्तुं समर्थाः सन्ति।

चक्रेषु भविष्यत् : लघुयानम् एव ग्रामोन्नतेः नूतनः मार्गः

क्षेत्रात् विपणिं यावत्, परिवहनात् स्वरोजगारं यावत्

प्यूपिल्स टाइम्स – ग्रामोद्यमिता–विशेषः

भारतीयः कृषकः केवलम् अन्नदाता न, अपितु समर्थः उद्यमी अपि भवितुमर्हति। यदि लघुयानं केवलं परिवहनसाधनं न मन्येत, अपितु बहुउद्देश्यीयं ग्रामसेवायानरूपेण विकसितं क्रियेत, तर्हि तत् कृषिक्षेत्रे, ग्रामोद्यमितायां, पर्यटनसेवायां च नूतनान् आयामान् उद्घाटयेत्।

प्रातःकाले एतत् यानं कृषकाणां शाकानि, फलानि, पुष्पाणि तथा नगदी–उपजान् समीपस्थविपण्यां वा प्रत्यक्षम् उपभोक्तृभ्यः नयेत्। अनेन परिवहनव्ययः न्यूनः स्यात्, मध्यस्थेषु निर्भरता ह्रसेत्, कृषकाणां लाभः च वर्धेत। दिवाभागे तदेव यानं चलित–कृषिविपणिरूपेण, चलित–आपणरूपेण, दुग्ध–जैविकोत्पाद–विक्रयकेन्द्ररूपेण, अल्पाहारकेन्द्ररूपेण, चलित–पुस्तकालयरूपेण, आरोग्यसेवाकेन्द्ररूपेण अथवा अङ्कीय–सेवाकेन्द्ररूपेण कार्यं कुर्यात्। तत्र आधार–पञ्जीकरणम्, बाङ्क–सेवाः, अङ्कीय–भुगतानव्यवस्था, बीमासेवाः तथा शासकीय–योजनानां सुविधाः अपि प्रदातुं शक्यन्ते। रात्रौ तदेव यानं चतुर्णां यात्रिकाणां कृते सुरक्षितं विश्रामस्थानं भवेत्। स्वच्छ–शयनव्यवस्था, शुद्धपेयजलम्, सौरऊर्जोपकरणानि, दूरभाष–आवेशसुविधा तथा लघुपाकशाला इत्यादयः व्यवस्थाः ग्राम्यपर्यटनस्य तीर्थयात्रायाश्च विशेषोपकारिण्यः स्युः। अद्य विश्वस्य अनेकेषु देशेषु भ्रमणशील–निवासयानानि, चलित–भोजनालयाः, चलित–चिकित्सालयाः तथा चलित–पुस्तकालयाः सफलतया सञ्चाल्यन्ते। भारतेऽपि स्थानीयावश्यकतानुसारम् एषः 'ग्रामोद्यम–यानम्' इति आदर्शः विकसितुं शक्यते।

प्यूपिल्स टाइम्स इत्यस्य मतम्–भविष्यस्य वाहनं केवलं जनान् न वहिष्यति, अपितु अवसरान् अपि वहिष्यति। स्थानीयावश्यकता, अभिनवप्रयोगः तथा ग्रामोद्यमिता यदि परस्परं संयुज्येरन्, तर्हि एतादृशं लघुयानम् कृषकाणाम् आयवृद्धेः, युवानां स्वरोजगारस्य, ग्रामस्वावलम्बनस्य च सशक्तं साधनं भवितुमर्हति। एष एव आत्मनिर्भर–भारतस्य व्यवहारिकः, दूरदर्शी च मार्गः।

रेलस्थानके भविष्यत् : एकः एव उपवेशनमञ्चः

यः रेलयानानि चालयति, भाग्यमपि निर्माति

प्यूपिल्स टाइम्स–रेलविशेषः

एका शृङ्खलाध्वनिः श्रूयते, पुनश्च अपरः। एकं रेलयानं 'विलम्बेन आगच्छति' इति सूचनया गच्छति, अपरं तु 'पञ्चनिमेषेषु आगमिष्यति' इति वदति। एषः भारतीयरेलयानसेवायाः पुरातनः, किन्तु नित्यनूतनः अनुभवः।

रेलयानं नाम कदापि शून्यं न भवति। सामान्ययानभागे जनसमूहो निबिडः, शयनयानभागे अपि स्थानाभावः, तथापि परीक्षकस्य समीपे केचन 'रिक्तशय्याः' सदा दृश्यन्ते इति यात्रिकाणां विश्वासः।

एतत सर्वं कुत्र दृश्यते ? प्रथमोपवेशनमञ्चे। तत्र चायविक्रेता, भारवाहकः, गृहात् आनितेन भोजनेन सह यात्रिकाश्च सर्वे मिलित्वा भारतस्य जीवन्मयं चित्रम् निर्मान्ति।

कश्चित् 'तत्काल–आरक्षणं न प्राप्तम्' इति खिन्नः तिष्ठति। काचित् महिला प्रविश्य एव 'एषा गवाक्षसमीपस्था आसन्दी ममैव' इति घोषयति। कश्चित् बालकः 'मिष्टान्नानि, लघुभोजनानि' इति विक्रयध्वनिं करोति। वृद्धा च स्वपुटकेन सह गृहनिर्मितम् आचारं परोटिकां च वहन्ती दृश्यते।

कदाचिदिदं दृश्यं पुरातनस्य चलचित्रस्य स्मृतिं जनयति, कदाचित् गृहप्रत्यागमनस्य भावनां जागरयति।

घोषणा भवति 'रेलयानं दशनिमेषान् विलम्बेन आगमिष्यति।' यात्रिकाः स्मितपूर्वकं मन्यन्ते 'एषः विलम्बः नूतनः नास्ति।'

अन्ततः रेलयानम् आगच्छति। सर्वे शीघ्रं प्रविशन्ति। उपरि शय्या, अधः सामानम्, मध्ये 'भवतः दूरभाषस्य आवेशकं क्षणमेकं ददातु' इति विनयपूर्णः अनुरोधः एष एव यात्रायाः वास्तविकः सौन्दर्यम्।

केचन पत्त्रक्रीडां कुर्वन्ति, केचन चलच्चित्राणि निर्मान्ति, अन्ये पृच्छन्ति– 'भोः! अयं कः स्थानकः?' अपरस्मिन् कोणे मातृहस्तनिर्मितं भोजनं परिवारेण सह आनन्देन भुज्यते।

सर्वे स्वस्वसप्नान् हृदि निधाय यात्रां कुर्वन्ति कस्यचित् रोजगारार्थम्, कस्यचित् परीक्षार्थम्, कस्यचित्स् विवाहार्थम्। योजना दशघण्टानां भवति, यात्रा तु कदाचित् षड्घण्टाविलम्बेन एव आरभते। अनुभवी यात्रिकाः मन्दं हसन्ति 'प्रथमवारं किम्?' ते राजधानी–रेलयानस्य वेगम् अपि दृष्टवन्तः, सामान्य–रेलयानस्य धैर्यमपि अनुभूतवन्तः।

भारतीयरेलयात्रा केवलं गन्तव्यस्थानप्राप्तेः साधनं नास्ति; सा सहनशीलतायाः, सहकारस्य, आशायाः च जीवन्तः पाठः अस्ति।

Dr. Vandana Mishra
M. A. NET (JRF) PHD

अपूर्णं वचनम् - सामाजिक–नाटकम्

पात्राणि –

आर्या, विवेकः, आयार्याः माता, पिता, वैद्या, कार्यालयप्रबन्धकः, सहकर्मिणः, विधिपरामर्शदात्री, सूत्रधारः।

प्रथमः दृश्यः –नवजीवनस्य स्वप्नम्

(रङ्गमञ्चे लघु–गृहम्। आर्या–विवेकौ उपविशतः।)

विवेकः: वयं सह जीवावः। इदमेव पर्याप्तम्। विवाहस्य का त्वरिता आवश्यकता?

आर्याः मम त्वयि पूर्णः विश्वासः अस्ति।

(उभौ स्वभविष्यस्य योजनां कुर्वन्तौ। प्रकाशः शनैः मन्दीभवति।)

द्वितीयः दृश्यः –अप्रत्याशिता वार्ता

(चिकित्सालये। वैद्या परीक्षण–प्रतिवेदनं ददाति।)

वैद्याः अभिनन्दनम्! भवान्ती गर्भवती अस्ति।

(आर्या हर्षेण विवेकस्य समीपम् आगच्छति।)

आर्याः विवेक! अस्माकं गृहे शीघ्रमेव नवजीवनस्य आगमनं भविष्यति।

विवेकः (विस्मितः) : अधुना? अहंएतस्य उत्तरदायित्वाय अद्यापि सज्जः नास्मि।

तृतीयः दृश्यः – विश्वासभङ्गः

आर्याः अधुना विवाहः करणीयः।

विवेकः: अहं अन्यां कन्यां परिणेतुम् इच्छामि। अस्माकं सम्बन्धः अत्रैव समाप्तः।

आर्याः किं द्विवर्षीयः विश्वासः केवलं क्रीडामात्रम् आसीत्?

(विवेकः निर्गच्छति। आर्या एकाकिनी तिष्ठति।)

चतुर्थः दृश्यः – परिवारस्य समर्थनम्

(गृहे।)

माताः वत्से! यत् जातं तत् परिवर्तयितुं न शक्यते, किन्तु भविष्यं तव हस्तयोरेव अस्ति।

पिताः वयं सर्वदा तव साहाय्यं करिष्यामः। धैर्यं मा त्यज।

(पार्श्वतः जनानां कानाफूसी श्रूयते।)

आर्याः लोकाः यत् इच्छन्ति तत् वदन्तु। अहं सत्यस्य मार्गं न परित्यजामि।

पञ्चमः दृश्यः – न्यायस्य मार्गः

(महिला–परामर्शकेन्द्रे।)

परामर्शदात्रीः

यदि कश्चित् विश्वासं भङ्क्त्वा उत्तरदायित्वात् पलायते, तर्हि विधिः पीडितायाः संरक्षणं करोति। स्वाधिकारान् ज्ञात्वा उचितं निर्णयं कुरु।

आर्याः मम लक्ष्यं प्रतिशोधः न, अपितु न्यायः–मम तथा मम गर्भस्थशिशोः सम्मानार्थम्।

षष्ठः दृश्यः–नूतनजीवनस्य आरम्भः

(चिकित्सालये। शिशोः रोधनध्वनिः।)

वैद्याः अभिनन्दनम्! कन्यारत्नस्य जन्म अभवत्।

आर्याः अस्याः नाम ₹आशा₹ भविष्यति। एषैव मम जीवने पुनर्नूतनं प्रकाशम् आनयत्।

(कालान्तरम्। आर्या समाजसेवायां नियुक्ता दृश्यते। सा अन्यासां महिलानां साहाय्यं करोति।)

समापनम्

(सूत्रधारः प्रविशति।)

सूत्रधारः:

जीवनस्य वास्तविकं साहसं विपत्तेः पलायने न, अपितु तस्याः धैर्येण सम्मुखीकरणे वर्तते। सम्बन्धाः विश्वासेन निर्मीयन्ते, उत्तरदायित्वेन च पालयन्ते। प्रत्येकः निर्णयः विवेकपूर्वकः, मयार्दापूर्वकः, विधिसम्मतः च भवेत्। एतेषु एव सुदृढसमाजस्य आधारः निहितः अस्ति।

सर्वे (एकस्वरेण) :

'सत्यं, उत्तरदायित्वं, परस्पर–सम्मानश्च एते एव सुदृढसमाजस्य आधाराः।' (यवनिका पतति।)

Big success against dengue

'Qdenga' vaccine gets green signal in India

New Delhi: The Government of India has approved the sale of Qudenga, the first vaccine to be available to prevent dengue in the country. The Union Health Ministry said on Tuesday that this vaccine of Takeda Biopharmaceuticals India has been allowed for use by the common people after extensive scientific trials of quality, safety and effectiveness. According to the ministry, this is India's first dengue vaccine which has been approved to be launched in the market to prevent this disease. Earlier, Takeda Biopharmaceuticals India had also informed that the country's Drug Controller General (DCGI) has approved the marketing of the vaccine. The Health Ministry said that the Central Drugs Standard Control Organization (CDSCO) has approved this tetravalent dengue vaccine developed by Takeda GmbH of Germany and imported by Takeda Biopharmaceuticals India after it was found to meet all the scientific standards prescribed under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 and Drugs Rules, 1945. Qudenga is a live attenuated tetravalent dengue vaccine developed using recombinant DNA technology. It is available as a freeze-dried powder to be dissolved before use and given by subcutaneous injection. According to the company, this vaccine has already received regulatory approval in 42 countries including the European Union, Britain, Switzerland, Indonesia, Malaysia and Thailand. So far, more than 2.4 crore doses have been distributed.

President Murmu addressed India-North Macedonia Business Forum

Emphasis laid on increasing investment and technology partnership

Skopje: Indian President Draupadi Murmu, while addressing the India-North Macedonia Business Forum organized in Skopje, said that there is immense potential in the economic and commercial relations between the two countries. He called upon the industry to identify new opportunities with emphasis on enhancing investment, technology partnership and long-term business cooperation with business. President Murmu said that this is the first bilateral visit of an Indian President to North Macedonia, which reflects India's commitment to give a new direction to the cooperation between the two countries. He said that trade between India and North Macedonia has been growing steadily, but the current trade level is still far below the available potential. The President said that it is necessary to increase investment between the two countries to transform

trade relations into a real economic partnership. He cited sectors like digital innovation, Artificial Intelligence (AI), pharmaceuticals, healthcare, agro-processing and green energy transition as key areas for investment and cooperation. He also invited North Macedonia to participate in the World Audio Visual and Entertainment Summit (WAVES) to be held in India next year. President Murmu said that start-ups, universities, research institutes and technology companies of both the countries can promote innovation through partnership. He also mentioned the vast potential for cooperation in areas such as artificial intelligence, cyber security and digital innovation.

Call for long term partnership with industry : The President said that industry organizations of both the countries should develop long-term business relations by identifying profitable projects. He urged to increase contacts with chambers of commerce and industry, investment agencies and business organizations and encourage regular exchange of business delegations.

Focus on technology transfer and employment creation : President Murmu urged companies not to be limited to just short-term business deals, but to invest in long-term partnerships based on technology transfer, joint ventures, value addition at the local level and employment generation. He expressed confidence that this business forum will pave the way for new opportunities for economic cooperation between India and North Macedonia.

Supreme Court bans the appointment process of assistant professors

Lucknow: The Supreme Court has ordered to maintain status quo in the matter of recruitment of assistant professors in government-aided colleges of Uttar Pradesh. This interim order of the apex court has dealt a severe blow to the recruitment process of assistant professors as the interviews for 917 posts had started from Tuesday itself. Justice Prashant Kumar Mishra and S. Chandrashekhar's bench, while declaring the interim order of May 25, 2026 effective in this matter, directed the competent authorities to maintain status quo in the matter. The next hearing of the case will be on September 7. Earlier, the appellants told the bench that even after the stay, the interviews in the case were being initiated. 19 participants including

Dheeraj Chandani had filed an appeal in the Supreme Court in this case against the decision of the High Court. The apex court passed an interim order in the case on May 25, staying the High Court order and also issued a notice to the Uttar Pradesh government and UPHESC seeking their response. UPHESC had started the recruitment process for appointment to 917 posts of Assistant Professor in government aided colleges by issuing Advertisement No. 51 in 2022. Later the new commission i.e. Uttar Pradesh Education Service Selection Commission conducted the written examination on 16 and 17 April 2025 for 910 posts. More than 82 thousand candidates had applied for these posts. Complaints of irregularities on a large scale started coming to light soon after the examination. Considering the seriousness of the matter, on the instructions of the Chief Minister, a confidential investigation was conducted by STF and the examination was cancelled.

International flights will start from Gayaji Airport from October 25

Indigo will also fly to Bangkok for the first time

Bodhgaya: Domestic flight operations from Gayaji International Airport are currently continuing regularly. Recently, both scheduled IndiGo flights flew to their respective destinations on time. However, the number of passengers is being recorded somewhat less than before. On the other hand, in view of the upcoming Buddhist tourism season, operation of international flights is also going to start from the last week of October. Various aviation companies have made their winter flight schedules available to the airport management. Currently only two domestic IndiGo flights are operating from Gayaji Airport. After reaching Gaya from Delhi, the first flight leaves for Kolkata

at 11 am. Whereas, after coming from Kolkata to Gaya, the second flight takes off for Delhi at 4:30 pm. These days, on an average only about 140 passengers are traveling in an Airbus aircraft with 182 seat capacity. According to airport sources, there has been some decline in passenger numbers as compared to earlier. Apart from this, due to non-operation of these two flights on Monday and Friday of the week, no regular domestic airline is available from Gaya Airport on those days.

Rajasthan: Now civic and panchayat elections will be held between August 15 and November 15

Jaipur: Municipal body and Panchayati Raj elections in Jaipur Rajasthan will be held sequentially from 15 August 2026 to 15 November 2026. It is proposed to conduct first urban body elections in two phases and then Panchayati Raj elections in four phases. State Election Commissioner Rajeshwar Singh said that the reason for conducting elections in different phases is that 60,000 employees and 50 thousand police personnel are required for one phase of municipal elections. Similarly, 80,000 employees and 70,000 police personnel are required for one phase of Panchayati Raj elections. The urban elections will be held in two phases at 16,482 polling stations in 10,245 wards of a total of 309 urban bodies, in which 1,43,75,806 voters will participate. State Election Commissioner Rajeshwar Singh said that the Panchayat elections will be held in four phases at a total of 45,316 polling stations of 14,403 gram panchayats, 457 panchayat committees and 41 district councils in which a total of 4,02,18,969 voters will participate. He said that the urban elections will be held directly only for the post of member whereas the Panchayat elections will be held directly for four posts respectively, Ward Panch, Sarpanch, Panchayat Committee member and Zilla Parishad member.

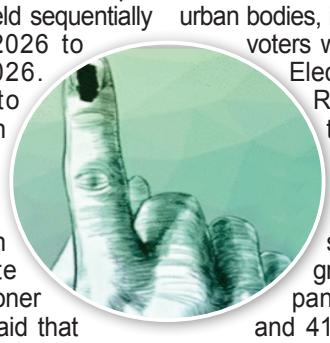

IIT institutes facing shortage of teachers

4300 posts vacant, center's report comes out

New Delhi: On one hand, the prestigious IITs of the country are starting new courses, increasing student capacity and expanding research activities. On the other hand, these institutions are facing severe shortage of teachers. According to official data, thousands of faculty posts are still vacant in 23 IITs of the country. In such a situation, it is feared that it will have an impact on teaching, research and operators of new educational programs. According to the report of the Centre, out of more than 12,000 sanctioned faculty posts in all the 23 IITs of the country, more than 4300 posts are vacant. This means that about 38.4 percent of the total sanctioned posts are vacant, while in other words, the posts of almost two out of every five teachers are still not filled.According

to the report, maximum shortage of faculty has been recorded in IIT Patna and IIT Kharagpur. 54.6 percent posts are vacant in IIT Patna while 51.3 percent posts are vacant in IIT Kharagpur. Apart from this, there are 12 other IITs where more than one-third of the posts of teachers are lying vacant. The situation remains worrying even in the first generation IITs. There are 39 percent vacancies in IIT Kanpur, 38.4 percent in IIT Bombay and 38.3 percent in IIT Delhi. Whereas among the second generation IITs, 39.9 percent posts are reported vacant in IIT Mandi and among the third generation IITs, 48.4 percent in IIT Dhanbad, 45.8 percent in IIT Goa and 42.2 percent in IIT Guwahati. However, the vacancy situation is better in some new IITs. Like only 1.7 percent posts are vacant in IIT Dharwad, 5.88 percent in IIT Palakkad, 14.35 percent in IIT Ropar, 14.38 percent in IIT Tirupati and 15.1 percent in IIT Bhilai. IITs across the country are continuously expanding their academic programs. New and special programs like Artificial Intelligence, Design, Public Policy have been started in institutes. Along with this, the government is also working on a plan to add about 6500 new seats in IITs by 2028-29. At such a time, shortage of faculty is being considered a big challenge.

When it is not in our power to change the situation, then change the state of mind and see, not everything but many things will suit you.

PUPILS TIMES

"A person immersed in ego neither sees his own mistakes nor the good things of others."
Geeta Sermon

Friday, 24 July to 30 July 2026

PM Modi's tough stance on NEET paper leak

The culprits will be punished

Playing with the future of students is not acceptable

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi has clarified the government's stand on the NEET paper leak issue in the National Democratic Alliance (NDA) parliamentary party meeting 'Mangal Milan' organized in the monsoon session of Parliament. The Prime Minister said in strong words that his government will not allow any injustice to be done to the future of the students. Prime Minister Modi said during the meeting that the government took immediate steps as soon as the news of paper leak came to light. After this meeting, Union Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju, while giving information on the main points of the Prime Minister's address in a press conference, said that till now 13 people have been arrested in this case and sent to jail. The PM has said in strong words that the criminals involved in this racket should be given the harshest punishment. He appealed that the help of top lawyers of the country should be taken so that through the legal process, the culprits get such punishment which sets an example for the future and such incidents do not happen again.

Discussion on farmers and free trade agreements

■ Apart from NEET, Prime Minister Modi also mentioned India's recent international achievements and Free Trade Agreements (FTA) with various countries in the meeting. He assured the NDA MPs that the interests of farmers will not be compromised in any foreign agreement. He said that the priority of the government is the welfare of the farmers and it will be ensured that they do not suffer any loss due to these agreements.

Children should not be used for politics

■ *The Prime Minister said that there should be no politics on the NEET issue. He alleged that the opposition is trying to mislead the youth of the country on this sensitive issue. The PM advised that children and their future should not be used for political gains. He expressed satisfaction that keeping the interest of the students paramount, the government successfully conducted the re-examination and the results were also declared without any delay.*

Mangal Milan meeting was fruitful

■ *Kiren Rijiju also told that the Prime Minister's guidance was very meaningful for all the MPs. In the meeting, MPs were also informed about the country's successes in recent months. It is worth noting that for the last few days, protests have been going on at Jantar Mantar in Delhi regarding the irregularities in the NEET examination, the reference to which also came up during the discussion.*

Jaishankar met Russian Foreign Minister

Issue of safety of Indian sailors raised

Manila: Indian External Affairs Minister S Jaishankar met his Russian counterpart Sergei Lavrov. This was the first meeting of top level ministers after the death of 4 Indian sailors in the Black Sea attack. During this, there was an in-depth discussion on various issues including the safety of sailors. Foreign Minister S Jaishankar gave this information on X platform. "In-depth review of bilateral relations with Russian Foreign Minister Sergei Lavrov," he wrote. They further wrote, "Reiterated their serious concern over the safety of Indian sailors in the region. Also discussed various aspects of the partnership between the two countries, including trade and investment, energy and connectivity, and science and technology. Apart from this, they also exchanged views on the Ukraine conflict and the situation in the Gulf region."

CM Yogi gave instructions to officials

Make a plan to deal with flood or drought according to the districts in UP

Lucknow: Chief Minister Yogi Adityanath has said that due to irregular rainfall, there is a challenge of drought on one side and flood on the other. In such a situation, the safety of citizens, protection of crops and livelihood of farmers is the top priority of the government, laxity in this will not be tolerated. Timely assistance should be provided to the affected persons with sensitivity and coordination in relief and rescue operations. The situation of each district is different. Therefore, make relief and rescue strategies accordingly. The Chief Minister said that during a disaster, unruly elements can also damage the embankments. This possibility cannot be denied. Extra caution should be taken at this point. Reviewing the preparations to deal with possible situations of drought and flood, the Chief Minister said that agricultural work should not be affected in areas where rainfall was less than normal. Timely help should be provided by regularly reviewing real-time data of sowing and irrigation. Agriculture and Irrigation Department should make a joint action plan. The control room of the Relief Commissioner's office remained active round the clock. Every hour information should be sent to the Chief Minister's Office, DGP Office and relief agencies. The updated status of each district should be uploaded on the state level dashboard. Run cleanliness campaigns in flood affected areas along with availability of fresh and nutritious food, clean drinking water and medical facilities. Children should not have shortage of milk. Special care should be taken of women, elderly, disabled and pregnant women. Services of trained disaster friends should be taken. NDRF, SDRF, PAC, police, revenue, irrigation, health, animal husbandry and local administration should work with full coordination. Necessary decisions regarding excessive rainfall and floods should be taken by analyzing the water level information received from the Meteorological Department, Central Water Commission and Nepal. In case of possible danger, the affected population should be evacuated to safe places. The security of embankments should be monitored and regular patrolling should be done. Animals should be taken to safe places in time.

Healing Before Birth: How Fetal Surgery is Transforming the Future of Medicine

Dr. Arvind singh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon Coloproctologist
FACRSI, FAMS FIAGES

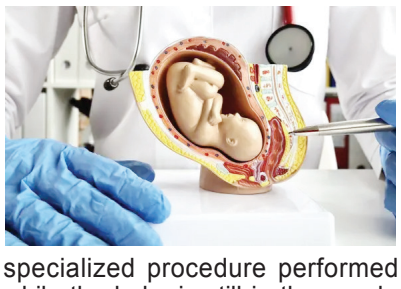

Every parent dreams of welcoming a healthy baby into the world. But if a serious condition is detected during pregnancy, hope need not be lost. Today, advances in modern medicine make it possible to treat certain birth defects even before birth. One of the most remarkable achievements in healthcare is Fetal Surgery a highly specialized procedure performed while the baby is still in the womb. Its goal is to treat selected congenital abnormalities before birth, improving survival and reducing long-term complications.

Fetal surgery is recommended only in carefully selected cases. Conditions such as Spina Bifida, Twin-to-Twin Transfusion Syndrome (TTTS), and Congenital Diaphragmatic Hernia (CDH) can benefit from timely intervention. Early diagnosis and expert care can significantly improve outcomes for both the baby and the mother.

Many fetal procedures are now performed using fetoscopic surgery, a minimally invasive technique involving tiny instruments inserted through small incisions. In more complex situations, open fetal surgery may be necessary. Every decision is made by a multidisciplinary team of fetal medicine specialists, obstetricians, pediatric surgeons, anesthesiologists, and neonatologists, with the safety of both mother and baby as the highest priority. It is important to remember that fetal surgery is not suitable for every pregnancy. Success depends on accurate prenatal diagnosis, careful patient selection, advanced imaging, and treatment at an experienced fetal care center.

Fetal surgery represents a new era in medicine where healing can begin even before birth. For many families, it offers renewed hope, better health, and the possibility of a brighter future for their child.Has your pregnancy screening revealed a possible fetal abnormality? Consult a qualified fetal medicine specialist promptly. Early diagnosis and expert care can make a life-changing difference.

PUPILS TIMES
Core Committee
Shivprakash Pandey — Chief Publisher
Vikas Maurya — Co Publisher
Address : Shop No.3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503.
Web : pupilstimes.com

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"
FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

ANURAG SHUKLA CHIEF EDITOR . Mob.: +91 9167378057, E-mail: anurag@pupilstimes.com. www.pupilstimes.com

Printes, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS,** UNIT NO. 04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E.), MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at :** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA). (The editor does not necessarily agree with the news, artical and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai court) Editor - **ANIL MISRA** , Mob. : 92208 68564, **Email :** anilmisrapc@gmail.com. **PRGI. No. : MHMUL/25/A2419**